तमसो मां ज्योतिर्गमय...

सत्यनारायण – 23 वर्ष की आयु में

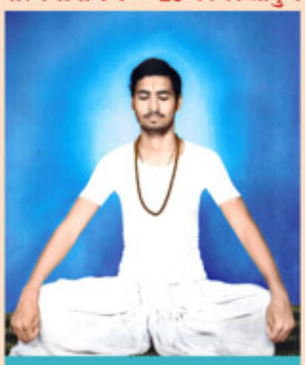

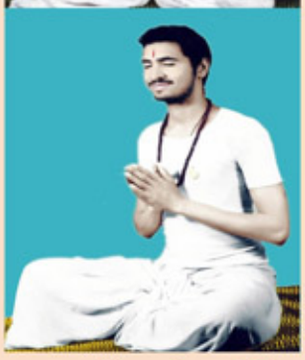

मानव सेवा को समर्पित

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया
Aacharya Satyanarayana Patodiya
M.Com. (Silver Medalist), C.A.I.I.B.,
A.I.B. (London) F.C.I.B. (London)
A.C.B.I. (England), F.C.I. (London)
A.I.M.M., A.M.I.M.A., A.I.I.B. (Mumbai)
Past Principal
UCO Bank Staff Training College, KOLKATA
Author of 10 best-seller books on Banking
In 1989, Founded in Jaipur —
Private Hospitals & Nursing Homes Society
Founder & Chief Trustee -
Meera Charitable Trust
Regn. No. 481 / JAIPUR / 2014
Director
Centre for Public Awareness & Information
C/o **Meera Hospital**
Kartavya, Shiv Marg, Bani Park, **Jaipur-302016**
0141-2202220, 2202748, 4001653
9672711117 • Fax : 0141-2201261
www.aacharyasatyanarayana.org
www.meeracharitabletrust.org
contact@meeracharitabletrust.org
info@meerahospital.com
www.meerahospital.com
www.meeradentalhospital.com
93148 77066, 94148 27066

Centre for Public Awareness & Information

मीरा चेरिटेबल ट्रस्ट (रजि.) द्वारा संचालित

प्रिय महोदय,

सप्रेम नमस्कार।

आप जीवन में लगातार उन्नति करते रहें और आपकी समृद्धि बढ़ती रहे, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ यह पत्र लिख रहा हूँ। संसार में चार तरह के लोग पाए जाते हैं :–

एक – जो अंधेरे से अंधेरे की ओर जा रहे हैं।
दो – जो अंधेरे से उजाले की ओर जा रहे हैं।
तीन – जो उजाले से अंधेरे की ओर जा रहे हैं।
चार – जो उजाले से उजाले की ओर जा रहे हैं।

हमारे पूर्व जन्म के कर्मों के परिणाम स्वरूप हमारा मानव जन्म होता है और यह हमारे हाथ में नहीं था कि किस जाति, कुल, खानदान या घर में हमारा जन्म हो, अंधेरे में हो, या उजाले में हो, अर्थात् गरीबी में हो, या अमीरी में हो, परन्तु इस जन्म में किए गए कर्मों के फलस्वरूप हमारा अगला जन्म कैसा होगा, इसके लिए हम ही जिम्मेदार होंगे। कुछ कार्य हम सही जानकारी नहीं होने की वजह से, या इसके अभाव में गलत रूप से करते हैं और उसके परिणाम से दु:खी होते हैं।

दिशा टी.वी. द्वारा एक महिने तक **धर्म के वैज्ञानिक स्वरूप** को बताने के लिए विभिन्न विषयों पर वैज्ञानिक तरीके से प्रवचन देने का मुझे अवसर मिला, जिससे लोगों के जीवन में सुख–शांति और समृद्धि आए। उन सभी 27 प्रवचनों में से संकलित करके 8 प्रवचनों का संग्रह एक विडियो डी.वी.डी. में किया है, जिसमें निम्न विषयों पर प्रवचन है।

1. हम मंदिर में जाकर जयकारा क्यों लगाते हैं? उससे क्या लाभ होता है? जब हम किसी से मिलते हैं और उसको जय श्रीराम, जय श्रीकृष्ण, जय गुरूदेव, जय माता दी, या जय जिनेन्द्र कहते हैं, तब उसका क्या अर्थ है?
2. हनुमान चालीसा का पाठ क्यों करते हैं? धारण कैसे करें?
   श्री गणेशजी महाराज को हमेशा कैसे प्रसन्न रखा जा सकता है?
3. भगवान, देवी–देवता की मूर्ति की हम पूजा क्यों करें? और कब तक करें? जीवन में आसान क्या है? कठिन क्या है?
4. अन्न देवता है। जूठन छोड़कर इसका अनादर नहीं करें।
5. संत–महात्मा, पुजारी और कथा वाचक के नाम में क्या रखा है?
6. प्रवचनों से कोई नहीं सुधरेगा। अनुभव से ही सुधार होगा।
7. विपश्यना विद्या द्वारा क्रोध पर विजय कैसे हो?
8. हॉली–डे का सही अर्थ क्या आप जानते हैं? मैरिज का अर्थ क्या है? जीवनभर हम अपनी मैरिज कैसे मना सकते हैं?

इस डी.वी.डी. को देख कर आप भी लाभ उठा सकते हैं। आप हमारी वेबसाईट पर जाकर आप हमारे साहित्य को पढ़कर भी असीम लाभ उठा सकते हैं।

आपका मंगल हो, कल्याण हो, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ,

शुभाकांक्षी,

आचार्य सत्यनारायण पाटोदिया